प्रकरण ६ भारतीय वायुसेना

ई. स. १९३२ में ब्रिटिश काल में 'रॉयल इंडियन एअर फोर्स' की स्थापना हुई। १९४७ में भारत को स्वतंत्रता प्राप्त होने के बाद रॉयल इंडियन एअर फोर्स का नाम 'भारतीय वायुसेना' किया गया।

भारतीय वायुसेना संगठन

भारतीय वायुसेना के कुल सात विभाग (कमांडस) हैं। इसमें पाँच (Opration) कमांडस अत्यावश्यक कार्य पर आधारित हैं। एक देखभाल तथा दुरुस्ती (मेटेंनन्स कमांड) और एक प्रशिक्षण विभाग (ट्रेनिंग कमांड) है। वे निम्नानुसार हैं।

अ.क्र	कमांडस	मुख्य कार्यालय	
(१)	सेंट्रल एअर कमांडस	इलाहाबाद	अतिआवश्यक कार्यों पर आधारित
(२)	इस्टर्न एअर कमांड	शिलाँग	
(३)	वेस्टर्न एअर कमांड	नई दिल्ली	
(४)	साऊथ वेस्टर्न एअर कमांड	गांधीनगर	
(५)	सदर्न एअर कमांड	तिरुअनंतपुरम	
(६)	मेंटेनेन्स एअर कमांड	नागपुर	देखभाल/दुरुस्ती के लिए
(७)	ट्रेनिंग एअर कमांड	बेंगलूरू	प्रशिक्षण विभाग के लिए

वायुसेना का कार्य :

- भारतीय हवाई सीमाओं की रक्षा करना।
- थलसेना तथा नौसेना को युद्ध में सहायता करना।
- भारत की सीमा से परे जाकर अपने राष्ट्रहित की रक्षा करना।
- आपदाकालीन बचाव कार्य में सहायता करना आदि।

भारतीय वायुसेना के हवाई जहाज

एस यु ३० MKI (सुकोई ३०) : यह बहुकर्मीय लडाकू हवाई जहाज है । सुखोई ३० इस हवाई जहाज में दो इंजिन तथा दो पायलट होते हैं । यह हवाई जहाज रशियन बनावट का है और इसका उत्पादन भारत में किया जाता है ।

मिराज २००० (वज्र) : यह हवाई जहाज फ्रेंच बनावट का है और हवाई सुरक्षा तथा शत्रु के हवाई जहाजों से मुकाबला करने वाला लडाकू हवाई जहाज है । इसमें एक इंजिन और एक पायलट होता है ।

मिग २९ यह हवाई जहाज रशियन बनावट का है । हवाई श्रेष्ठता निर्माण करने वाला लड़ाकू हवाई जहाज है । इस हवाई जहाज में दो इंजिन और एक पायलट होता है ।

मिग २७ यह हवाई जहाज रशियन बनावट का युद्धकलात्मक आघात (Tactical Strike) करने वाला हवाई जहाज है । इसमें एक इंजिन और एक पायलट होता है ।

मिग २१ : यह रशियन बनावट का हवाई जहाज है । यह भूमि पर आघात करने वाले तथा शत्रु के हवाई जहाजों के विरोध में लड़ने वाला बहुकर्मीय लड़ाकू हवाई जहाज है । इसमें एक इंजिन और एक पायलट होता है ।

जाग्वार : यह अँग्लो फ्रेंच बनावट का हवाई जहाज है । शत्रु के क्षेत्र में गहराई में जाकर प्रहार करने वाला हवाई जहाज है । इस हवाई जहाज में एक पायलट और दो इंजिन होते हैं ।

सी १३० जे : यह हवाई जहाज युद्धभूमि पर बहुत ही कम लंबाई वाली तथा कच्चे धावन पथ (रनवे) पर उतरने वाला, हवाई छाताधारी, भारी सामग्री तथा घायलों को लाना-ले जाना करने के लिए सक्षम हैं ।

IL 76 : यह रशियन बनावट का भारी यातायात का सैनिकी हवाई जहाज है । इस हवाई जहाज में चार इंजिन होते हैं ।

MI25/MI35 : यह दो टर्बोशाफ्ट इंजिनवाला, हमला करने वाला, जिरही, गाड़ियाँ/टैंक विरोधी हेलिकॉप्टर है ।

सी-१७ : इस हवाई जहाज की क्षमता एक ही टप्पे में ४२०० ते ९००० किमी दूरी तक ४० से ७० टन का भार ढोकर ले जाने की है ।

AN 32 : यह रशियन बनावट का मध्यम आकार का यातायात करने वाला हवाई जहाज है । इसमें दो टर्बो इंजिन होते हैं ।

MI26 : यह रशियन बनावट का दो टर्बोशाफ्ट इंजिनवाला भारी सामग्री की यातायात करने वाला हेलिकॉप्टर है ।

MI17-V5 : इस हेलीकॉप्टर पर हवाई यातायात के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जलवायुसंबंधी रडार ये उपकरण होते हैं । वैसे ही रात में कारवाई करते तथा देखभाल करते समय हेलिकॉप्टर के पायलट को युद्धभूमि के दृश्य देखने के लिए गॉगल्स दिए गए हैं ।

चीता (चिताह) : यह फ्रेंच बनावट का एक टर्बोशाफ्ट इंजिनवाला हेलिकॉप्टर है । इस हेलिकॉप्टर का मुख्य कार्य देखभाल करना तथा घायलों को लाना-ले जाना है ।

ध्रुव : यह भारतीय बनावट का यातायात करने वाला हेलिकॉप्टर है । पर्वतीय क्षेत्र में यह हेलिकॉप्टर ६ हजार मीटर ऊँचाई पर सक्षमता से कार्य कर सकता है ।

चेतक : यह एक इंजिनवाला, हल्का फ्रेंच बनावट का टोही हेलिकॉप्टर है ।

तेजस : यह भारतीय बनावट का स्वदेशी हल्का लड़ाकू हवाई जहाज है । भारतीय वायुसेना सें तेजस हवाई जहाज सन २०१६ में समाविष्ट किया गया है ।

रुद्र : यह भारतीय बनावट का हल्का लड़ाकू हेलिकॉप्टर पर्वतीय क्षेत्र में भी कार्य कर सकता है ।

इसके साथ वायुसेना में विभिन्न प्रकार के क्षेपणास्त्र हैं ।

उपक्रम

१. समाचार पत्र, मासिक पत्रिका तथा अंतरजाल के माध्यम से भारतीय वायुसेना के युद्‌धकार्य संबंधी जानकारी संकलित करके यहाँ लिखिए ।

२. अकाल, भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं में भारतीय वायुसेना के कार्य की जानकारी समाचारपत्र, मासिक पत्रिका तथा अंतरजाल के माध्यम से संकलित करके अपने शब्दों में लिखिए ।

३. वायुसेना के क्षेपणास्त्रों के चित्र तथा जानकारी संकलित कीजिए ।

JBV71B

भारत का सैन्यबल मानचित्र

उपक्रम

निम्नलिखित मानचित्र में सैन्यबल के विभागों की सूची तैयार कर, सेनाबल के कमांड के कार्यक्षेत्र विविध रंगों की सहायता से दिखाइए ।

उपक्रम

निम्नलिखित मानचित्र में वायुसेना तथा नौसेना के मुख्यालय रंगों की सहायता से दिखाइए ।